इरकॉन इंटरनेशनल लिमिटेड

पृष्ठभूमि

इरकॉन की टर्नकी आधार पर तथा रेलवे और राजमार्ग निर्माण के क्षेत्र में देश की सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों में निरंतर क्षेत्रीय नेतृत्व के रूप में एक दीर्घ स्थायी ख्याति है। कंपनी 15 मई 2006 से अनुसूची 'क' कंपनी तथा वर्ष 1998 से मिनी रत्न श्रेणी-1 की कंपनी है।

वित्तीय विशेषताएं

वर्ष 2016-17 के दौरान, आपकी कंपनी ने 3254 करोड़ रूपए का टर्नओवर, जो पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 14 प्रतिशत अधिक है तथा 532 करोड़ रूपए का करपूर्व लाभ प्राप्त किया है, जो कि पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 12 प्रतिशत कम है। यह कमी वर्ष 2015-16 के दौरान मोजांबिक सरकार के साथ निपटान करार पर व्यापक आय की स्वीकृति के कारण थी।

इरकॉन ने प्रदत्त शेयर पूंजी के 550 प्रतिशत की दर पर 192.40 करोड़ रूपए के कुल लाभांश का भुगतान किया है जो वर्ष 2016-17 के लिए कर पूर्व लाभ का 52.15 प्रतिशत है।

वर्ष 2015-16 की तुलना में वर्ष 2016-17 के लिए कंपनी के वित्तीय निष्पादन के कुछ महत्वपूर्ण सूचक निम्नानुसार हैं:

(रूपए करोड़ में)

विवरण	2016-17	2015-16
1. कुल आय (सकल बिक्री)	3254	2860
2. कुल प्रचालनिक आय	2995	2419
3. कर पूर्व लाभ	532	602
4. कर पश्चात लाभ	369	395
5. निवल संपत्ति	3828	3667

प्रचालनिक विशेषताएं

चार चालू विदेशी परियोजनाओं में से दो परियोजनाएं बांग्लादेश में तथा एक-एक परियोजना अल्जीरिया और दक्षिण अफ्रीका में है। ये परियोजनाएं हैः (क) बांग्लादेश (i) इशरूदी-दरसाना खंड के बीच 11 स्टेशनों में कम्प्यूटर आधारित इंटरलोकिंग कलर लाइट सिग्नलिंग प्रणाली का अभिकल्प और संस्थापन, तथा(ii) बांग्लादेश रेलवे के लिए खुलना-मोंग्ला पोर्ट रेल लाईन की निर्माण परियोजना के अंतर्गत इम्बैंकमैंट, रेलपथ का निर्माण, सभी सिविल कार्य, बड़े व छोटे पुलों (रूपसा को छोड़कर) तथा पुलिया का कार्य और ईएमपी का कार्यान्वयन, (ख) अल्जीरिया-दोहरी रेलपथ लाइन का संस्थापन; और(ग) दक्षिण अफ्रीका-मजूबा रेल लाइन परियोजना।

भारत में प्राप्त तथा निष्पादित की जा रही प्रमुख परियोजनाओं में शामिल हैं छत्तीसगढ राज्य में गेवरा रोड से पेंड्रा रोड के बीच पूर्व पश्चिम गलियारे के गलियारा-।।। का निर्माण और छत्तीसगढ राज्य में व्यवहार्यता अध्ययन; आरडीयूएम-टीएएल-आरजेओ (रामपुर दुमरा ताल राजेन्द्रपुल) परियोजना, कियुल गया, हाजीपुर-बछवाड़ा, कटनी-सिंगरौली परियोजना; झारखंड, ओडीशा तथा छत्तीसगढ राज्यों में रेल कोयला संपर्कता परियोजना (परियोजनाओं) का निष्पादन।

नगरनार, छत्तीसगढ में प्रस्तावित एकीकृत इस्पात संयंत्र के लिए निजी रेल साइडिंग के निर्माण के संबंध में सिविल तथा रेल संबद्ध कार्यों का निष्पादन; अखौरा-अगरतला रेल लिंक परियोजना, वैतरणा - सचिन खंड में समर्पित मालभाड़ा गलियारा परियोजना के अभिकल्प, सिविल भवन का निर्माण और रेलपथ कार्य; राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) मिजोरम के बाहरी विकास कार्य और भीतरी सेवाओं के अभिकल्प, आरेखण और निर्माण का अतिरिक्त कार्य; कर्नाटक राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग 48 के दवानागिरी-हावेरी खंड को छह लेन का बनाना; तथा पूर्व मध्य रेलवे के लिए बिहार राज्य में (12 नए सड़क उपरि पुल) सड़क ऊपरि पुलों के आर.ओ.बी. निर्माण का अतिरिक्त कार्य।

भारत में निष्पादनाधीन अन्य परियोजनाओं में शामिल हैं जम्मू और कश्मीर में धरम से काजीगुंड तक बीजी नई रेल लाइन; रायबरेली, उत्तर प्रदेश में नया रेल डिब्बा कारखाना; छत्तीसगढ राज्य में पूर्व गलियारे का गलियारा-। का निर्माण; सिवोक-रंगपो नई रेल लाईन परियोजना; बिहार और राजस्थान राज्यों में सड़क उपरिपुलों का निर्माण; राजस्थान राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग-15 के बीकानेर फलौदी खंड को चौड़ा करना व सुदृढ़ीकरण; मध्यप्रदेश राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग-3 के शिवपुरी-गूना खंड को चार लेन का बनाना; झारखंड और बिहार राज्यों में प्रधान मंत्री ग्रामीण सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के अंतर्गत ग्रामीण सड़कों को निर्माण/स्तरोन्नयन; जम्मू और कश्मीर राज्य में जम्मू प्रांत में आरएपीडीआरपी परियोजना; जयनगर (भारत) – बीजलपुरा (नेपाल) के बीच तथा जोगबनी (बिहार), भारत तथा बीराटनगर (नेपाल) के बीच रेल संपर्क, बोंडामुंडा, दौंड और मुगलसराय में विद्युत इंजन शेड;

शालीमार में कोचिंग टर्मिनल; संतरागाछी में परिपत्रन क्षेत्र का विकास और अनिवार्य यात्री सुविधाएं तथा कोना एक्सप्रेस-वे के लिए सड़क संपर्कता; तथा दिल्ली मेट्रो के लिए मेट्रो कार्य।

वर्ष 2016-17 के **समाप्त होने** के पश्चात प्राप्त **प्रमुख परियोजनाओं** में शामिल हैं विशाखापत्तनम में डीजल इंजन शेड का संवर्धन कार्य; पश्चिम मध्य रेलवे के लिए कटनी ग्रेड सेपरेटर; सफदरजंग रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास: कटनी-सिंगरौली के लिए रेल विद्युतीकरण कार्य; और सिग्नलिंग सहित मथुरा-कासगंज-कल्याणपुर रेल विद्युतीकरण परियोजना।

वर्ष के दौरान **भूटान और** बांग्लादेश में कंपनी ने परियोजनाएं समाप्त की हैं यथा (क) भूटान - मौजूदा उप-स्टेशन के विखंडन के लिए टर्नकी परियोजना और पारो में उप-स्टेशन के अभिकल्प, इंजीनियरिंग, निर्माण, आपूर्ति, संस्थापन, परीक्षण और कमिशनिंग का कार्य: तथा (ख) बांग्लादेश - दूसरे भैरब रेल पुल का निर्माण।

कंपनी ने **भारत में दो परियोजनाओं** को पूरा किया है यथा कोच्ची मेट्रो रेल लिमिटेड के लिए अलुवा से पेट्टा गलियारे के एलिवेटिड खंड में मानक आमान के गिट्टीरहित रेलपथ के लिए संविदा केटी-4 तथा मट्टम डिपो में मानक आमान रेलपथ कार्य के लिए संविदा केटी-5आर1.

आर्डर बुक

कंपनी ने वर्ष के दौरान 6030 करोड़ रूपए मूल्य के नए कार्य प्राप्त किए हैं, जिसके परिणामस्वरूप 31 मार्च 2017 को कार्यभार 18878 करोड़ रूपए हो गया है। वर्ष की समाप्ति के पश्चात 30 जून,2017 तक प्राप्त कुल कार्यभार 20010 करोड़ रूपए हो गया है।

पुरस्कार

कंपनी ने अब तक पीईपीसी (पूर्व में ओवरसीज कंस्ट्रक्शन काउंसिल ऑफ इंडिया (ओसीसीआई के नाम से ज्ञात)) से 45 पुरस्कार तथा ईईपीसी से 25 पुरस्कार प्राप्त किए हैं। कंपनी ने वर्ष के दौरान निम्नलिखित पुरस्कार प्राप्त किए हैं:

i) डन एंड ब्रैडस्ट्रीट

(क) "रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली, लालगंज (उत्तर प्रदेश), चरण-1 परियोजना की स्थापना हेतु सर्वोत्तम अवसंरचना परियोजना की श्रेणी में इंफ्रा अवार्ड 2016.

(ख) 22 अगस्त 2016 को जारी भारत के शीर्ष पीएसयू 2016 प्रमाणपत्र में कुल आय के आधार पर इरकॉन को 93वां स्थान प्राप्त हुआ।

ii) सीएसआर/पर्यावरण सुरक्षा और संरक्षण के लिए 2015-16 का सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम - केन्द्रीय में उत्कृष्टता पुरस्कार,

iii) रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली के लिए सर्वोत्तम निर्माण परियोजना की श्रेणी में सीआईडीसी विश्वकर्मा पुरस्कार 2017 और

iv) "एचआर पहल (मिनीरत्न-I) की श्रेणी में गवर्नेंस नऊ चौथा पीएसयू पुरस्कार 2016"

निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व और धारणीयता

कंपनी ने निगमित सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहलों पर 5.89 करोड़ रूपए की राशि खर्च की है, जिनमें व्यापक स्तर पर स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण अवसंरचना विकास, पर्यावरण, अभिन्न रूप से सक्षम व्यक्तियों को सुविधाएं, रोजगार शिक्षा बढ़ाने तथा अवसंरचना विकास के क्षेत्र शामिल हैं।

सहायक तथा संयुक्त उद्यम कंपनियां

वर्ष के दौरान गठित कंपनियां:

(i) इरकॉन की 26 प्रतिशत की इक्विटी भागीदारी सहित छत्तीसगढ राज्य में कोयला संपर्कता परियोजना को क्रियान्वित करने के लिए 5 मई 2016 को निगमित "बस्तर रेलवे प्राइवेट लिमिटेड (बीआरपीएल)" नामक संयुक्त उद्यम कंपनी।

(ii) वर्ष की समाप्ति के पश्चात राष्ट्रीय राजमार्ग 48 (पुराने राष्ट्रीय राजमार्ग 4) के विकास, अनुरक्षण और प्रबंधन के व्यवसाय को करने के लिए 11 मई 2017 को सृजित "इरकॉन दवानागिरी हावेरी राजमार्ग लिमिटेड (इरकॉनडीएचएचएल)" नामक पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।

इरकॉन ने निम्नलिखित कंपनियों में अपने भाग का विनिवेश किया है:

(i) रियायत के समापन के संबंध में विवाद संबंधी मोजांबिक सरकार के साथ 21 अक्तूबर 2015 को निपटान करार की शर्तों के अनुसार भुगतान की प्राप्ति के उपरांत मोजांबिक में बेरा रेल रियायत परियोजना के निष्पादन के लिए सृजित जेवीसी कंपेनिया डोस केमिनहोस डी फेरो डा बेरा एसए (सीसीएफबी) में 25 प्रतिशत का विनिवेश।

(ii) भारतीय रेलवे स्टेशन विकास निगम लिमिटेड (आईआरएसडीसी) (इरकॉन द्वारा धारित 51 प्रतिशत में से आरएलडीए को) के 1 प्रतिशत इक्विटी स्टेक का अंतरण ताकि दिनांक 10.04.2017 के रेलवे बोर्ड के पत्र की शर्तों के अनुसार आईआरएसडीसी को 50:50 की संयुक्त उद्यम कंपनी बनाया जा सके।

इन कंपनियों के अतिरिक्त, अब इरकॉन समूह में चार सहायक कंपनियों (यथा इरकॉन इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेस लिमिटेड, इरकॉन पीबी टोलवे लिमिटेड, इरकॉन शिवपुरी गूना टोलवे लिमिटेड तथा इरकॉन दवानागिरी हवेरी राजमार्ग लिमिटेड तथा भारत में सात संयुक्त उद्यम कंपनियों (यथा, इरकॉन-सोमा टोलवे प्राइवेट लिमिटेड, भारतीय रेलवे स्टेशन विकास निगम लिमिटेड, छत्तीसगढ़ ईस्ट रेलवे लिमिटेड, छत्तीसगढ़ ईस्ट-वेस्ट रेलवे लिमिटेड, महानदी कोल रेलवे लिमिटेड तथा झारखंड सेंट्रल रेलवे लिमिटेड तथा बस्तर रेलवे प्राइवेट लिमिटेड) शामिल हैं।